भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1815

दिनांक 17.03.2022 को उत्तर देने के लिए

रूस और यूक्रेन द्वारा निष्क्रमण प्रक्रिया में की गई सहायता

1815. श्री नीरज डांगी:

श्री बृजलाल:

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हाल ही के दिनों में रूस और यूक्रंन के बीच तनाव की स्थिति के कारण भारत लाए गए छात्रों और यात्रियों की संख्या कितनी–कितनी हैं;

(ख) क्या सरकार द्वारा ऐसी स्थिति में किन्हीं अतिरिक्त उड़ानों का संचालन किया गया है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार रूस और यूक्रेन की सरकारों के साथ संपर्क में है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) रूस और यूक्रेन की ओर से भारतीयों को दी गई सहायता का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

[श्रीमती मीनाक्षी लेखी]

(क) लगभग 22,500 भारतीय नागरिक, 1 फरवरी-11 मार्च, 2022 के दौरान भारत लौट आए हैं, जिनमें ज्यादातर छात्र थे।

(ख) 26 फरवरी से 10 मार्च, 2022 तक, भारत सरकार की लागत पर ऑपरेशन गंगा के भाग के रूप में 14 भारतीय वायु सेना की उड़ानों सहित 90 निकासी उड़ानें संचालित की गईं।

(ग) इन 90 उड़ानों का विवरण इस प्रकार है:

रोमानिया: 36 उड़ानें (11 एयर इंडिया, 11 इंडिगो, 3 स्पाइसजेट, 6 भारतीय वायु सेना, 4 एयर इंडिया एक्सप्रेस और 1 एयर एशिया)

हंगरी: 31 उड़ानें (11 इंडिगो, 6 गो एयर, 5 एयर इंडिया एक्सप्रेस, 3 भारतीय वायु सेना, 2 एयर इंडिया, 2 एयर एशिया और 2 स्पाइस जेट)

पोलैंड: 17 उड़ानें (11 इंडिगो, 4 भारतीय वायु सेना और 2 एयर इंडिया)

स्लोवाकिया: 6 उड़ानें (1 भारतीय वायु सेना, 4 स्पाइस जेट, 1 इंडिगो)

(घ) सरकार विभिन्न स्तरों पर यूक्रेन और रूस के संपर्क में है। प्रधानमंत्री ने 24 फरवरी को युद्ध की शुरुआत के बाद से यूक्रेन के राष्ट्रपति से दो बार और रूस के राष्ट्रपति से तीन बार बातचीत की। विदेश मंत्री ने यूक्रेन और रूस के विदेश मंत्रियों से भी बातचीत की। विदेश सचिव ने कई अवसरों पर नई दिल्ली में यूक्रेन और रूस के राजदूतों से मुलाकात की। यूक्रेन और रूस में हमारे राजदूत क्रमश: यूक्रेन और रूस में संबंधित प्राधिकरणों के निरंतर संपर्क में हैं।

(ड.) यूक्रेन के प्राधिकारियों ने भारतीय नागरिकों की यूक्रेन के पूर्वी भाग से देश के पश्चिमी भाग तक जाने में सहायता की जिसमें सूमी से छात्रों के लिए खार्किव से लविव और लविव से पोलैंड के लिए विशेष रेलों की व्यवस्था शामिल है। सूमी और खार्किव क्षेत्र में रूस और यूक्रेन द्वारा युद्धविराम की घोषणा से इन क्षेत्रों से भारतीय छात्रों को सुरक्षित निकालने में मदद मिली।

***